भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
****

विषय – जनवरी 2025 माह के लिए अंतरिक्ष विभाग का मासिक सारांश।

जनवरी 2025 माह के दौरान अंतरिक्ष विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

(i) लंबे समय से चल रहे अंतर-मंत्रालयी परामर्श के कारण लंबित नीतिगत और अन्य मामले जिन्हें विभाग मंत्रिमंडल सचिव के संज्ञान में लाना चाहता है: **शून्य**।

(ii) मंत्रिमंडल सचिवालय या प्रधानमंत्री कार्यालय में लंबे समय से लंबित प्रस्ताव/संदर्भ: **शून्य**।

(iii) ऐसे किसी भी मामले का विवरण जिसमें कार्य के नियमों का उल्लंघन हुआ हो:- **शून्य**।

(iv) कोई अन्य मामला/महत्वपूर्ण घटनाक्रम जो विभाग को लगता है कि मेरे ध्यान में लाया जाना चाहिए:

- प्रथम भारतीय अंतरिक्ष मिशन पीएसएलवी-सी60/स्पेडेक्स ने 16 जनवरी, 2025 को दो अंतरिक्ष यानों की कक्षा में सफल डॉकिंग का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही भारत सफल अंतरिक्ष डॉकिंग हासिल करने वाला चौथा देश बन गया।

- 100वें प्रमोचन यान मिशन जीएसएलवी-एफ15 का प्रमोचन 29 जनवरी, 2025 को सुबह 06:23 बजे एसडीएससी श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और प्रमोचन यान ने एनवीएस-02 अंतरिक्ष यान को अभीष्ट कक्षा में स्थापित कर दिया। यह 17वाँ जीएसएलवी मिशन था और स्वदेशी क्रायोजेनिक ऊपरी चरण के साथ 8वीं प्रचालन उड़ान थी।

- भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में तीसरे प्रमोचन पैड (टीएलपी) की स्थापना को मंजूरी प्रदान कर दी है।

- इसरो ने 17 जनवरी, 2025 को महेंद्रगिरि स्थित इसरो नोदन कॉम्प्लेक्स स्थित अपने इंजन परीक्षण केंद्र में विकास द्रव इंजन को पुनः चालू करने का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। यह परीक्षण चरणों की पुनर्प्राप्ति हेतु प्रौद्योगिकियों के विकास में एक मील का पत्थर है, जिससे भविष्य के प्रमोचन यानों में पुन: प्रयोज्यता संभव होगी।

- एलवीएम3 के तीसरे वाणिज्यिक मिशन, अर्थात् एलवीएम3-एम5 मिशन के लिए आवश्यक एल110 चरण की एकीकरण गतिविधियों को सम्पन्न कर इसे आगामी गतिविधियों के लिए 17 जनवरी, 2025 को आईपीआरसी, महेंद्रगिरि से एसडीएससी, श्रीहरिकोटा भेज दिया गया है।

- गगनयान (जी1) के प्रथम मानवरहित मिशन के लिए चिन्हित कर्मीदल मॉड्यूल में द्रव नोदन प्रणाली का एकीकरण कार्य 21 जनवरी, 2025 को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। कर्मीदल मॉड्यूल अपराइटिंग प्रणाली (सीएमयूएस) को भी इस मॉड्यूल में एकीकृत किया गया।

...2/-

- देश की पहली समर्पित सौर वेधशाला आदित्य-एल1 से प्राप्त वैज्ञानिक आंकड़ों का पहला सेट 6 जनवरी, 2025 को इसरो मुख्यालय, बेंगलूरु में आयोजित एक समारोह में वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय के लिए जारी किया गया। लगभग 2.6 टीबी डेटा जनता के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस संबंध में, सौर विज्ञानी समुदाय को आदित्य-एल1 के अंतिम वैज्ञानिक नीतभार प्रदर्शन से अवगत कराने के लिए एक राष्ट्रीय बैठक का भी आयोजन किया गया।

- विभिन्न भारतीय राज्यों और सेंटिनल एशिया को आपदा प्रबंधन में सहायता के लिए इन्पुट प्रदान किए गए। मंत्रालयों और राज्य सरकारों के अंतर्गत विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परियोजनाओं के लिए भू-प्रेक्षण से संबंधित सहायता प्रदान की गई।

- अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण के तीसरे संस्करण (स्टार्ट-2025) का उद्घाटन अध्यक्ष, इसरो / सचिव, अंतरिक्ष विभाग के द्वारा किया गया। "भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान शृंखला में 562 संस्थानों के 20743 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो (बीएमजीई) - 2025: इसरो ने इन-स्पेस के साथ मिलकर 18 से 21 जनवरी, 2025 तक यशोभूमि, नई दिल्ली में आयोजित बीएमजीई-2025 में भाग लिया। इसरो ने प्रतिबिंबन संवेदक, दाब संवेदक, जायरोस्कोप, रोधन लेप आदि सहित 42 अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया, जिनके ऑटोमोटिव क्षेत्र में संभावित अनुप्रयोग हैं। इसरो और इन-स्पेस की वीएसएससी, एलपीएससी, यूआरएससी और आईआईएसयू की टीमों ने एक विशेष सत्र में ऑटोमोटिव उद्योग में इन प्रौद्योगिकियों की विशेषताओं और संभावित अनुप्रयोगों के क्षेत्रों पर अपनी प्रस्तुति दी।

***